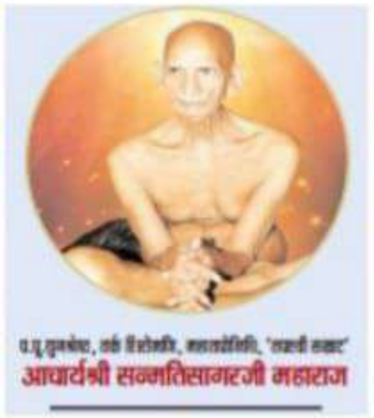

अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

लखनऊ, वर्ष: 15, अंक: 190, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com मंगलवार, 07 जुलाई 2026 शक सम्वत् 194

किसानों को वितरित कीं तिल की उन्नत किस्में

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के कुलपति डा0 संजीव गुप्ता के निर्देशन में प्रसार निदेशालय के सभागार में विश्वविद्यालय एवं तिल एवं नाइदर परियोजना समन्वयक जबलपुर मध्य प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में तिल की दो प्रजातियां आरटी-372 एवं बीयूएटी तिल-1 की के 80 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन हेतु बीजों का वितरण किया गया।साथ ही साथ तिल की अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के सम्बन्ध में किसानों को जागरूक कराते हुये प्रशिक्षण दिया गया, जिससे खरीफ में तिलहन के उत्पादन को बृहत रूप से बढ़ावा मिल सके एवं देश की खाद्य तेल मिशन को बढ़ावा मिले।तिलहन के प्रो0 (डा0) महक सिंह, निदेशक शोध, (डा0) कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि संकाय, एवं प्रो0 (डा0) विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक प्रसार, प्रो0 (डा0) राम जी गुप्ता, विभागाध्यक्ष, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग, प्रो0 (डा0) अखिलेश मिश्रा, अनुभागाध्यक्ष, दलहन अनुभाग, प्रो0 (डा0) उमा नाथ शुक्ला, संयुक्त निदेशक शोध एवं डा0 वी0के0 कनौजिया, के0वी0के0 अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं डा0 विनोद कुमार द्वारा किसानों को प्रशिक्षत किया गया।

विश्ववार्ता

लखनऊ, मंगलवार, 7 जुलाई 2026

एक नजर

किसानों को तिल की उन्नत किस्मों के बीजों का हुआ वितरण

कानपुर। सीएसए के प्रसार निदेशालय के सभागार में विश्वविद्यालय एवं तिल एवं नाइदर परियोजना समन्वयक जबलपुर मध्य प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में तिल की दो प्रजातियां आरटी-372 एवं बीयूएटी तिल-1 के-80 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के लिए बीजों का वितरण किया गया। तिल की अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के सम्बन्ध में किसानों को जागरूक कराते हुये प्रशिक्षण दिया गया, जिससे खरीफ में तिलहन के उत्पादन को बृहत रूप से बढ़ावा मिल सके। देश की खाद्य तेल मिशन को बढ़ावा मिले।तिलहन के प्रो (डा) महक सिंह, निदेशक शोध, डा कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि संकाय, एवं प्रो (डा) विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक प्रसार, प्रो (डा) राम जी गुप्ता, विभागाध्यक्ष, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग, प्रो (डा) अखिलेश मिश्रा, अनुभागाध्यक्ष, दलहन अनुभाग, प्रो (डा) उमा नाथ शुक्ला, संयुक्त निदेशक शोध एवं डा वीके कनौजिया, केवीके अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं डा विनोद कुमार द्वारा किसानों को प्रशिक्षत किया गया।

ए

विश्ववात

कानपुर।
अंतर्गत आ
पर देर रा
जिसमें ट्रैपि
सिपाही स
पर ही मौत
चालक गंभी
पुलिस
पुल पर दे
नौबस्ता ब
जितेंद्र और
मौके पर
नौबस्ता से
दो ट्रक
मोटर साइ
गई। टक्क
मौके पर ही
चालक की

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक : 09 कानपुर, मंगलवार 07 जुलाई 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

किसानों को वितरित किए तिल की उन्नत किस्में

कानपुर । सीएसए के कुलपति डा0 संजीव गुप्ता के निर्देशन में प्रसार निदेशालय के सभागार में विश्वविद्यालय एवं तिल एवं नाइदर परियोजना समन्वयक जबलपुर मध्य प्रदेश

के संयुक्त तत्वाधान में तिल की दो प्रजातियां आरटी-372 एवं बीयूएटी तिल-1 की के 80 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन हेतु बीजों का वितरण किया गया।साथ ही साथ तिल की अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के सम्बन्ध में किसानों को जागरूक कराते हुये प्रशिक्षण दिया गया, जिससे खरीफ में तिलहन के उत्पादन को बृहत रूप से बढ़ावा मिल सके एवं देश की खाद्य तेल मिशन को बढ़ावा मिले।तिलहन के प्रो0 (डा0) महक सिंह, निदेशक शोध, (डा0) कौशल कुमार, अधिष्ठाता कृषि संकाय, एवं प्रो0 (डा0) विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक प्रसार, प्रो0 (डा0) राम जी गुप्ता, विभागाध्यक्ष, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग, प्रो0 (डा0) अखिलेश मिश्रा, अनुभागाध्यक्ष, दलहन अनुभाग, प्रो0 (डा0) उमा नाथ शुक्ला, संयुक्त निदेशक शोध एवं डा0 वी0के0 कनौजिया, के0वी0के0 अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं डा0 विनोद कुमार द्वारा किसानों को प्रशिक्षत किया गया।

सीएसए में किसानों को तिल की उन्नत किस्मों के बीज वितरित, उत्पादन बढ़ाने पर दिया प्रशिक्षण

दि ग्राम टुडे,कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में किसानों को तिल उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से उन्नत किस्मों के बीज वितरित किए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति डा० संजीव गुप्ता के निर्देशन में प्रसार निदेशालय सभागार में विश्वविद्यालय एवं तिल एवं नाइजर परियोजना समन्वयक, जबलपुर (मध्य प्रदेश) के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान तिल की दो उन्नत प्रजातियों आरटी–372 एवं बीयूएटी तिल–1 के बीज 80 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के लिए किसानों को वितरित किए गए। साथ ही किसानों को अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के संबंध में जागरूक करते हुए प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि खरीफ सीजन में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा मिल सके और देश के खाद्य तेल मिशन को मजबूती मिले।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में तिलहन वैज्ञानिक प्रो. (डा.) महक सिंह, निदेशक शोध प्रो. (डा.) कौशल कुमार, कृषि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. (डा.) विवेक कुमार त्रिपाठी, निदेशक प्रसार प्रो. (डा.) राम जी गुप्ता, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) अखिलेश मिश्रा, दलहन अनुभाग के अनुभागाध्यक्ष प्रो. (डा.) उमा नाथ शुक्ला, संयुक्त निदेशक शोध तथा केवीके अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. वी.के. कनौजिया और डा. विनोद कुमार ने

सीएसए के कुलपति ने छात्रों को दिये सफलता के मंत्र

❑ विवि के नवप्रवेशित कृषि विद्यार्थियों का हुआ ओरिएंटेशन प्रोग्राम

कानपुर, 6 जुलाई। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल ऑफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी की ओर से नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कृषि को अपने करियर के रूप में चुनने के लिए छात्रों की सराहना की। भारत के कृषि परिदृश्य पर चर्चा करते हुए उन्होंने देश के रिकॉर्ड दूध और चावल उत्पादन में कृषि वैज्ञानिकों के योगदान को रेखांकित किया। कुलपति ने कहा कि कृषि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग एवं उत्तरदायी रहने की प्रेरणा दी।छात्रों को प्रेरित करते हुए डॉ. गुप्ता ने कहाकि कैंपस में प्रवेश केवल अंक या नंबर हासिल करने के लिए नहीं है, बल्कि यह आपके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव और सर्वांगीण विकास के लिए है। छात्रों को अपने जीवन में 10 मानवीय गुणों को अवश्य अपनाना चाहिए, जिनमें धैर्य, क्षमा, साहस, चोरी न करना, पवित्रता और सत्य बोलना शामिल हैं। जीवन में काम ऐसा करो कि आपकी एक अलग पहचान बन जाए। स्कूल के निदेशक डॉ. हिमांशु त्रिवेदी ने छात्रों को अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को निरंतर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एक बेहद व्यावहारिक उदाहरण देते हुए कहाकि यदि पानी का बर्तन उल्टा रख दिया जाए, तो उसमें बारिश का पानी कभी नहीं भरा जा सकता। ठीक उसी प्रकार, ज्ञान का अर्जन भी तभी संभव है जब आप सीखने के लिए अपने बुद्धि और विवेक के द्वार खुले रखेंगे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते सीएसए के कुलपति।

एसएलएसबीटी में हुआ दीक्षारंभ कार्यक्रम

कानपुर। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी (एसएलएसबीटी) की ओर से सोमवार को आयोजित दीक्षारंभ अभिविन्यास कार्यक्रम में नवागत विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय पर आधारित एक अभिविन्यास वीडियो से हुआ। कार्यक्रम में संकाय निदेशक डॉ. अनुराधा कलानी ने विद्यार्थियों का अभिनंदन करते हुए विभाग के पाठ्यक्रमों, शोध-रिकॉर्ड एवं पेटेंट, आयोजित सम्मेलनों, इंटर्नशिप, स्टार्टअप फंडिंग तथा प्लेसमेंट के अवसरों की जानकारी दी। प्रति-कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने विज़न 2047 का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, उद्यमियों एवं शिक्षकों को गढ़ने के ध्येय पर बल दिया। मुख्य अतिथि डॉ. मीनल राठौर ने समाज के हित के लिए विज्ञान विषय पर कहा कि विद्यार्थियों को मात्र ज्ञान का ग्राहक नहीं, बल्कि सृजनकर्ता बनना चाहिए। मानव शरीर को सूक्ष्मजीवों का एक पारितंत्र बताते हुए उन्होंने डीएनए की लंबाई (पृथ्वी से प्लूटो की दूरी के लगभग 17 गुना), 1928 में एलेक्ज़ेंडर फ्लेमिंग द्वारा पेनिसिलिन की खोज तथा क्रिस्पर-कैस9 तकनीक जैसे रोचक उदाहरणों से विज्ञान के प्रति जिज्ञासा जगाई।